

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
छोटीसादडी जिला प्रतापगढ (राज.)

बडजलास श्री दिनेश कुमार मण्डोवरा, R.A.S. उपखण्ड अधिकारी, छोटीसादडी

प्रकरण संख्या 02/2017

निर्णय दिनांक : - - 2017

गोपीलाल पिता नारायण जी जाति भील आयु वयस्क निवासी चाहखेडी तहसील
छोटीसादडी हा.मु. सांगरिया ग्राम पंचायत बडौली माधोसिंह तह.निम्बाहेडा (राज.)
— अपीलान्ट

—: ब नाम :-

- 1- उदयलाल पिता नारायण जी जाति भील आयु वयस्क निवासी चाहखेडी तहसील छोटीसादडी (राज.)
- 2- प्रभुलाल पिता नारायण जी जाति भील आयु वयस्क निवासी चाहखेडी तहसील छोटीसादडी (राज.)
- 3- केशीबाई पिता नारायण जी जाति भील आयु वयस्क निवासी चाहखेडी तहसील छोटीसादडी (राज.)
- 4- जेतूबाई बेवा नारायण जी जाति भील आयु वयस्क निवासी चाहखेडी तहसील छोटीसादडी (राज.)

— रेस्पोजेण्टस

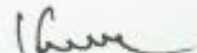
वाद अपील विरुद्ध आदेश नामान्तरण सं. 384
ग्राम पंचायत कारुण्डा दिनांक 15-8-2012

- उपस्थित :-
- 1- रोहीताश्व पंचोली एडवोकेट — अभिभाषक अपीलान्ट
 - 2- रेस्पोजेण्टस सं. 1 से 4 — एक तरफा कार्यवाही

—: निर्णय :—

अपीलान्ट द्वारा प्रस्तुत अपील का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि :-

- 1- अपीलान्ट गोपीलाल ने अपील प्रस्तुत कर निवेदन किया कि मौजा चापडौल प.स. सेमरडा तहसील छोटीसादडी में आ.नं. 107 रकबा 1.04 हैक्टेयर नारायण पिता नाथू जी भील निवासी चाहखेडी के नाम खातेदारी में दर्ज थी। अपीलान्ट के पिता श्री नारायण जी का देहान्त हो जाने के बाद रेस्पोजेण्टस ने दुरभिसन्धी कर पंचायत, पटवारी आदि को अंधेरे में रखकर गलत शपथ पत्र व आवेदन ग्राम पंचायत कारुण्डा में पेश कर अपीलान्ट को पैतृक सम्पत्ति से महरूम रखने हेतु गुपचुप विरासत का इन्तकाल पंचायत कारुण्डा तहसील छोटीसादडी द्वारा दिनांक 15-8-2012 को नामान्तरण सं. 384 खुलवा लिया जिसकी जानकारी अपीलान्ट को खाते की नकल लेने जाने पर हल्का पटवारी साहब ने बताया इसके बाद अपीलान्ट ने तहसील से नामान्तरण की नकल प्राप्त कर अपील पेश कर रहा हैं।
- 2- यह कि अपीलान्ट ने अपील में आगे अंकित किया कि रेस्पोजेण्ट ने पंचायत आदी में गलत प्रार्थना पत्र व शपथ पत्र पेश किया तथा पंचायत ने भी जांच नहीं की व रेस्पोजेण्ट के कथन शपथ पत्र पर विश्वास कर गलत आदेश प्रदान कर दिया अपीलान्ट का पारिवारिक सजरा निम्न हैं :-



नारायण (मृतक)

गोपीलाल
पुत्र

उदयलाल
पुत्र

प्रभूलाल
पुत्र

केशीबाई
पुत्री

जेतुबाई
पत्नी

- 3- यह कि अपीलान्ट के पास काम नहीं होने से ग्राम सांगरिया तहसील निम्बाहेडा चला गया था, पिताजी के देहान्त के समय परिवार के संग चाहखेडी तह. छोटीसादडी में ही था व सामाजिक क्रियाक्रम आदि में शामिल शरीक रहा व खर्चा बराबर वहन किया फिर भी रेस्पोंडेण्टस ने जानबुझ कर अपीलान्ट को सम्पत्ति से मेहरूम करने हेतु झुठे व गलत तथ्य बताकर व गलत व झुठे शपथ पत्र देकर मिल मुलाकर पंचायत से विरासत का गलत नामान्तरण खुलवा दिया जो न्याय व नियम के विरुद्ध होकर नामान्तरकरण काबिले खारीज होने योग्य हैं।
- 4- यह कि अपीलान्ट ग्राम पंचायत कारुण्डा से मीला व गलत आदेश ग्राम पंचायत द्वारा दिये जाने की बात कही तो ग्राम पंचायत कारुण्डा ने अपने स्तर से विस्तृत जांच पडताल कर दिनांक 13-1-17 को पुनः नारायण जी के तीन पुत्र होने का पत्र बनाकर वर्तमान सरपंच द्वारा दस्तखत कर सिल आदि लगाकर दिया जो इस अपील के साथ पेश किया तथा अपीलान्ट के अन्य दस्तावेज राशन कार्ड, पहचान पत्र एवं आधार कार्ड आदि पेश किये हे।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर्ड किया जाकर रेस्पोंडेण्ट सं. 1 से 4 को जरिये सम्मन तलब किये गये। दिनांक 1-5-2017 को वकील रेस्पोंडेण्ट सं. 1 से 4 बाद तामिल उपस्थित नहीं हुये जिससे उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई।

दिनांक 2-6-2017 को वकील अपीलान्ट ने प्रार्थना पत्र पेश कर तारीख पेशी नजदीक कर जल्दी सुनवाई करने हेतु पेश किया। प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अपीलान्ट गोपीलाल का शपथ पत्र एवं स्वतंत्र गवाह शान्तिलाल का शपथ पत्र तथा प्रभूलाल पिता नारायण का व जेतुबाई बेवा नारायण का शपथ पत्र पेश हुआ। अपीलान्ट ने दस्तावेज प्रदर्श कराये।

विद्ववान अधिवक्ता अपीलान्ट की बहस अन्तीम सुनी वकील अपीलान्ट ने दौराने बहस अपील में अंकित तथ्यो को दोहराते हुये अपील अपीलान्ट स्वीकार किये जाने का निवेदन किया। मैंरे द्वारा पत्रावली का भलीभाती अवलोकन कर गम्भीर मनन किया।

अपीलान्ट के विद्ववान अभिभाषक ने दौराने बहस सर्व प्रथम न्यायालय का घ्यान इस ओर दिलाया कि अपीलान्ट जब गाव चारपोल में स्थित अपने खाते की नकल लेने पटवारी के पास गया तो उसे खाते में नाम नहीं होने की जानकारी हुई इस पर उसने दिनांक 11-1-2017 को नमान्तरण की नकल लेने का प्रार्थना पत्र पेश किया जिस पर दिनांक 18-1-2017 को नकल प्राप्त हाने पर उसने जानकारी से एक माह में अपील पेश की है। इन्तकाल की नकल अपीलान्ट को दिनांक 18-1-2017 को मीलना प्रस्तुत नामान्तरण से साबीत हैं तथा अपीलान्ट ने दिांक 30-1-17 को यह अपील न्यायालय में पेश की हैं। जो जानकारी से अन्दर मियाद हैं। अपीलान्ट को नामान्तरण की जानकारी पहले हो ऐसे कोई तथ्य ना तो पत्रावली आये हैं ना रेस्पान्डेण्ट ने पेश किये हैं। जिससे यह माना जा सकता हैं कि अपीलान्ट को नामान्तरकरण की जानकारी उक्त दिनांक को हुई हैं इसलिये यह अपील अन्दर मियाद पेश हुई है।

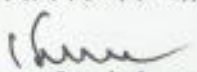
अपीलान्ट के अभिभाषक का तर्क हैं कि मृतक नारायण के दो पुत्र उदयलाल व प्रभूलाल नहीं होकर तीन पुत्र हैं। गोपीलाल भी मृतक नरायण का पुत्र हैं। परन्तु

रेस्पोंडेण्टस ने पंचायत के सरपंच व पटवारी से मील कर गलत शपथ पत्र देकर व पंचायत पटवारी को गलत तथ्य बता कर उन्हें अंधेरे में रख कर व अपीलान्ट को वैध सम्पत्ति से महरूम रखने हेतु गुपचुप विरासत का इन्तकाल पंचायत कारुण्डा तहसील छोटीसादडी द्वारा दिनांक 15-8-2012 को नामान्तरण सं. 384 खुलवा लिया है जो गलत है। इसलिये उक्त नामान्तरण सं. 384 निरस्त फरमाया जावे।

इस सम्बन्ध में अपीलान्ट गोपीलाल ने स्वयं अपना व स्वतन्त्र गवाह शान्तिलाल का शपथ पत्र पेश कर शपथ पत्र में अंकित किया है कि मृतक नारायण जी के तीन पुत्र थे अपीलान्ट गोपीलाल भी नारायण का पुत्र है। न्यायालय ने मृतक नारायण के लकी वारीसान की जांच करने के लिये तहसीलदार छोटीसादडी को तहरीर जारी कर जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश प्रदान किया जिस पर पटवारीने जांच कर रिपोर्ट दी की उदयलाल व प्रभुलाल नारायण के पुत्र हैं व केशीबाई पुत्री हैं व जेतुबाई नारायण की बेवा हैं। जेतुबाई ने नारायण से नाता विवाह किया था जब जेतुबाई ने नाता विवाह किया तब वह गर्भवती थी, तथा नाता विवाह के बाद नारायण के घर पर ही अपीलान्ट का जन्म हुआ है। तथा अपीलान्ट गोपीलाल नाबालीग अवस्था में नारायण के साथ ही रहा है। परन्तु उक्त रिपोर्ट में यह अंकित नहीं है कि नाता किया तब कितने समय का गर्भ था, नाता विवाह के कितने समय बाद वह पैदा हुआ तथा जेतुबाई के पूर्व पति से उसका तलाक कब हुआ। पटवारी यह कैसे व किस आधार पर कह सकता है की अपीलान्ट गोपीलाल जेतुबाई के पूर्व पति की ओलाद है। यह सम्भव है कि जेतुबाई नाता विवाह के पहले गर्भवती हो पर यह निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि वह नारायण की ओलाद नहीं हो।

इसके अलावा अपीलान्ट के द्वारा प्रस्तुत बोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड व मुख्य रूप से आधार कार्ड की फोटो प्रतिया पेश की हैं जिसमें अपीलान्ट गोपीलाल के पिता का नाम नारायण अंकित है। इन दस्तावेजों के आधार पर भी यह साबित है कि अपीलान्ट नारायण का पुत्र है। इसके अलावा रेस्पोंडेण्ट सं. 2 व 4 प्रभुलाल व जेतुबाई ने अपने विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही होने के बाद भी दिनांक 3-7-17 को न्यायालय में शपथ पत्र पेश किये हैं जेतुबाई अपने शपथ पत्र में कहती हैं कि नाता विवाह के समय वह गर्भवती थी, परन्तु नारायण व जेतुबाई के बीच यह बात तय हुई जो सन्तान पैदा होगी वह नारायण की मानी जावेगी व नारायण की सम्पत्ति में उसका हक व अधिकार रहेगा। जब इतना स्पष्ट मृतक नारायण व उसकी पत्नी जेतुबाई के मध्य करार था तो अपीलान्ट को उसके हक व अधिकार से वन्वीत रखना उचित व विधि सम्मत नहीं है। इसके अलावा प्रभुलाल स्वयं रेस्पोंडेण्ट ने भी अपना शपथ पत्र देकर कहा कि अपीलान्ट गोपीलाल हमारा भाई है व उसके पिता का वैध वारीस है। व पैतृक आराजियात में उसका हक व हिस्सा है। गोपीलाल अपने हक हिस्से पर काबीज है। पहले गोपीलाल के नाम का नामान्तरण नहीं खोला गया था जो गलत है अब अपीलान्ट गोपीलाल के नाम पर भी नामान्तरण खोला जाता है तो उसमें उसकी सहमती होकर उसको कोई आपत्ती व एतराज नहीं है।

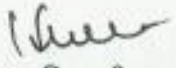
उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अपीलान्ट मृतक नारायण का पुत्र है तथा दिनांक 15-8-2012 को खोले गये नामान्तरण सं. 384 में उसका अंकित नहीं किया गया है जो गलत होने से नामान्तरण सं. 384 दिनांक 15-8-2012 को निरस्त किया जाकर अपीलान्ट गोपीलाल का नाम जोड़ते हुवे पुनः नामान्तरण खोला जाना विधि सम्मत प्रतित होता है। अतः परिणम स्वरूप अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाकर आदेश प्रदान किया जाता है कि :-


उपखण्ड अधिकारी, छोटीसादडी

— आदेश —

अतः प्रस्तुत दस्तावेज व साक्ष्य के आधार पर अपील अपीलाण्ट स्वीकार की जाकर ग्राम पंचयत कारूण्डा तहसील छोटीसादडी का विरासत का नामान्तरण सं. 384 दिनांक 15-8-2012 को निरस्त किया जाता है। तहसीलदार छोटीसादडी को आदेशित किया जाता है कि राजस्व रिकार्ड में अपीलाण्ट गोपीलाल पिता नारायण भील का नाम जोड़ते हुये सही एवं विधि सम्मत विरासत का नामान्तरण पुनः खोला जावे। खर्चा पक्षकाररान अपना अपना वहन करे। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय आज दिनांक 6 - 6 - 2017 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी,
छोटीसादडी, जिला प्रतापगढ़